# VISION IAS

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2214)

| Name of Candidate | Kparikshit | | |
|---|---|---|---|
| Medium Hindi/Eng. | Hindi | Registration Number | 683437 |
| Center | MN | Date | 19.Jul.2022 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1(a) | 10 | |
| 1(b) | 10 | |
| 2(a) | 10 | |
| 2(b) | 10 | |
| 3(a) | 10 | |
| 3(b) | 10 | |
| 4(a) | 10 | |
| 4(b) | 10 | |
| 5(a) | 10 | |
| 5(b) | 10 | |
| 6(a) | 10 | |
| 6(b) | 10 | |
| 6(c) | 10 | |
| 7 | 20 | |
| 8 | 20 | |
| 9 | 20 | |
| 10 | 20 | |
| 11 | 20 | |
| 12 | 20 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

**Signature of Examiner**

### INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**SECTION – A**

1. **(a)** The ideals of 'Dhamma' by Ashoka present key learnings on public morality. Discuss. Also, state their relevance for public servants.

**(150 words) 10**

अशोक द्वारा प्रतिपादित 'धम्म' के आदर्श सार्वजनिक नैतिकता पर मुख्य शिक्षाएं प्रस्तुत करते हैं। विवेचना कीजिए। साथ ही, लोक सेवकों के लिए उनकी प्रासंगिकता को वर्णित कीजिए।

अशोक द्वारा सामाजिक आचार संहिता के निर्माण के क्रम में 'धम्म' के सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया। यह धर्म न होकर सामाजिक व्यवहार को निर्धारित करने वाले दिशा-निर्देश थे।

धम्म के आदर्श में सार्वजनिक नैतिकता की शिक्षाएं

'अपासिनवे बहुकयाने दया दाने सच्चे सोचये माधवे साधवे च'

1. धम्म के तहत 'पाप (अपासिनवे) को नियंत्रित या कम करने के लिए कहा गया।
2. अहिंसा → इसमें मानव मात्र के साथ-साथ समस्त प्रकृति के प्रति अहिंसात्मक होने का निर्देश शामिल था।
3. दया व करुणा जैसे मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है।
4. समस्त प्रजा के कल्याण को बढ़ावा देने के साथ-साथ आचार व्यवहार में साधुपन व सत्यता को बढ़ावा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दिया गया।

~~स~~ वर्तमान में लोक सेवकों के लिए प्रासंगिकता ]

1. दया व करुणा जैसे सिद्धांत लोक सेवकों को सुभेद्य वर्ग के कल्याण हेतु प्रेरित करते हैं।
2. सादगीपूर्ण जीवन संसाधनों के अनावश्यक भंडारण को रोककर ~~च~~ उनके समान वितरण को बढ़ावा देता है।
3. सत्य का पालन करना प्रशासन में ईमानदारी व पारदर्शिता को बढ़ावा देता है।
4. समग्र रूप में धम्म एक सार्वजनिक आचार संहिता के तौर पर प्रशासन में नैतिकता को बढ़ावा देता है।

वर्तमान में नौकरशाही में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु अशोक के धम्म व ~~अकबर~~ महात्मा गाँधी के 7 पापों जैसी अवधारणाओं को व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Although bribery is illegal and counterproductive, public officials still demand bribes, and executives in the private sector remain tempted to pay up. In this context, discuss ways in which corporations can build a framework to eliminate the practice of offering kickbacks. **(150 words) 10**

हालांकि, रिश्वतखोरी गैर-कानूनी और हानिकर है, लेकिन सरकारी अधिकारी अभी भी रिश्वत की मांग करते हैं और निजी क्षेत्र के कार्यकारी अधिकारी इसका भुगतान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस संदर्भ में, उन तरीकों पर चर्चा कीजिए जिनसे निगम रिश्वत देने की प्रथा को समाप्त करने के लिए एक ढांचा तैयार कर सकते हैं।

वर्तमान में भारतीय कानून के तहत रिश्वत देना व रिश्वत लेना दोनों ही अपराध हैं, लेकिन ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के 'करप्शन परसेप्शन इंडेक्स' में भारत की खराब स्थिति रिश्वतखोरी की लगातार बढ़ती प्रवृत्ति को सिद्ध करती है।

रिश्वत से तात्पर्य ऐसे प्रलोभन से है जिससे रिश्वतदाता, रिश्वतखोर से अनुकूल व्यवहार की अपेक्षा करता है। यह किसी भी देश की अर्थव्यवस्था व नैतिक मूल्यों के पतन का कारण बनती है।

रिश्वत देने की प्रथा को समाप्त करने के लिए निगमों के अनुकूल ढाँचा →

① निगमों या कंपनियों द्वारा रिश्वत देने व उससे प्राप्त होने वाले लाभ का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए।
② निगम के कर्मचारियों के लिए नैतिक आचार संहिता का निर्धारण कर उसके पालन को अनिवार्य बनाया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाए।

(3) उन स्रोतों की पहचान की जाए जो रिश्वत देने व लेने के प्रति सर्वाधिक सुभेद्य हैं।

(4) सरकार द्वारा पर्याप्त हस्तक्षेप करते हुए किसी भी परियोजना, आदि की स्वीकृति की पूरी प्रक्रिया की end to end निगरानी की जाए।

(5) सरकारी कर्मचारियों में नैतिकता का समावेशन कर उनमें रिश्वत लेने के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण का विकास किया जाए।

(6) इनसे संबंधित कानूनों में व्याप्त 'लूप होल्स' का उचित समाधान किया जाए।

इस प्रकार भारत में रिश्वतखोरी की संस्कृति को हतोत्साहित कर भारत में स्वस्थ कार्य संस्कृति को बढावा दिया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) It is argued that the Indian bureaucracy suffers from indecision and risk aversion. Do you agree? Justify with logical arguments.

**(150 words) 10**

यह तर्क दिया जाता है कि भारतीय नौकरशाही अनिर्णय और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से ग्रस्त है। क्या आप सहमत हैं? उचित तर्कों के साथ औचित्य सिद्ध कीजिए।

भारतीय नौकरशाही की नवाचारों के प्रतिउदासीनता तथा पुराने ढर्रे पर चलने की प्रवृत्ति उपरोक्त तर्क को काफी हद तक सहमति प्रदान करती है।

मैं इस कथन से आंशिक रूप से सहमत हूँ।

* नौकरशाही में अनिर्णय व जोखिम से बचने की प्रवृत्ति का कारण →

① जोखिम उठाने के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन का अभाव

② निर्णय की विफलता पर दंडित होने की संभावना अनिर्णय की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है।

③ नौकरशाही में व्याप्त लाल फीताशाही व अधीनस्थ उच्चस्थ का संबंध → इससे प्रत्येक निर्णय निर्माण के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य हो जाता है।

④ नौकरशाही में व्याप्त भ्रष्टाचार इन्हें पर्याप्त नवाचार करने से रोकता है।

यही कारण है कि समय-समय पर होता समिति, संथानम समिति, द्वितीय प्रशासनिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुधार आयोग जैसे समिति व आयोगों द्वारा नौकरशाही में सुधारों की सिफारिश की गई। लेकिन →

① पूर्वोत्तर भारत में 'जनता की भागीदारी से दुर्गम क्षेत्र में सड़क निर्माण (आर्मस्ट्रांग)

② केरल में बाढ़ के दौरान 'क्राउड फंडिंग' के माध्यम से आपदा राहत

③ कोविड-19 के दौरान कोविड प्रसार को रोकने हेतु तीव्र कार्यवाही आदि। ये ऐसे साक्ष्य हैं जो नौकरशाही की उचित व स्थिति अनुकूल निर्णय क्षमता का परिचय देते हैं।

नौकरशाही को 'स्टील फ्रेम' की संज्ञा दी जाती है, यह सुशासन का महत्वपूर्ण अंग है। अतः जन कल्याण सुनिश्चित करने में इसकी उचित भागीदारी हेतु इसमें व्याप्त समस्याओं का उचित समाधान जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Although open and transparent governance has gained ground, do you agree with the view that there is merit in withholding some information from people? Justify your arguments with examples.

**(150 words) 10**

हालांकि, खुले और पारदर्शी शासन ने लोकप्रियता हासिल कर ली है, फिर भी क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि लोगों से कुछ जानकारी छिपाने में ही भलाई है? उदाहरणों के साथ अपने तर्कों की पुष्टि कीजिए।

खुला व पारदर्शी शासन 'सुशासन' की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इसी क्रम में 'सूचना का अधिकार अधिनियम, व्हिसल ब्लोअर अधिनियम, लोकपाल आदि की मदद से भारतीय शासन प्रणाली में खुलापन व पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए हैं।

लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था व विदेशी राष्ट्रों के साथ मित्रवत संबंधों को बनाए रखने के लिए कुछ जानकारी छिपाना भी अनिवार्य है →

① राष्ट्रीय सुरक्षा → ऐसी सूचना खासकर 'शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923' के तहत जिसे प्रतिबंधित किया गया हो अर्थात् जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो।

② लोक व्यवस्था → ऐसी सूचना जिससे साँप्रदायिक दंगों या तनाव फैलने की संभावना हो।

③ विदेशी राष्ट्रों के साथ मित्रवत संबंधों को प्रभावित करने वाली सूचना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) पेटेंट अधिनियम के लिए व्यावसायिक महत्व की ऐसी सूचना जिससे प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होती है।

(5) ऐसी सूचना जिससे 'निजता का अधिकार' का उल्लंघन होता हो जबकि उसमें कोई भी राष्ट्रीय हित व्याप्त न हो।

इस प्रकार स्पष्ट है कि देश हित में कुछ सूचनाओं को छिपाना अनिवार्य हो जाता है लेकिन समस्या तब जन्म लेती है जब शासकीय गुप्त बात अधिनियम जैसे कानूनों की मदद से 'राजनीतिक हितों' को वरीयता देकर स्वार्थों की पूर्ति की जाती है। अतः ऐसे प्रयासों को रोकते हुए शासन में पारदर्शिता व खुलापन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) While it may seem restrictive, anonymity is one of the greatest strengths of the civil services. Comment in the context of growth of social media in recent times. **(150 words) 10**

हालांकि, यह प्रतिबंधात्मक प्रतीत हो सकता है किंतु अनामिकता लोक सेवाओं की सबसे बड़ी ताकत है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया के विकास के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए।

अनामिकता भारतीय संसदीय शासन प्रणाली में लोक सेवाओं की प्रमुख विशेषता है। अनामिकता से तात्पर्य नौकरशाह द्वारा स्वयं की पहचान को अदृश्य रखते हुए कार्यों को पूर्णता प्रदान करने से लिया जाता है अर्थात् इसमें परदे के पीछे रहकर कार्य करना शामिल है।

अनामिकता लोक सेवाओं की ताकत कैसे? —

(1) यह संसदीय शासन प्रणाली के अनुकूल है जहां मंत्री जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं न कि नौकरशाह

(2) नौकरशाह स्थायी कार्यपालिका होती है अतः उसे विभिन्न सरकारों के साथ कार्य करना पड़ता है यही वजह है कि उनके लिए अनामिकता अनिवार्य हो जाती है।

(3) इससे लोक सेवक बिना किसी भय या दबाव के कार्यों को बेहतर ढंग से संपादित कर सकते हैं।

(4) इससे लोक सेवक तटस्थ रहते हुए उनके मध्य किसी कार्य का क्रेडिट लेने की अनावश्यक

होड़ नही मचती।

* सोशल मीडिया के विकास का 'अनामिकता' पर प्रभाव →

① सोशल मीडिया के प्रसार से पहचान छिपाना कठिन कार्य होता जा रहा है → इससे सर्विलांसिंग में बढ़ोतरी हुई है फलतः अनामिकता का सिद्धांत कमजोर हुआ है।

② कई लोक सेवकों द्वारा 'यू ट्यूब', इंस्टाग्राम आदि पर उनके द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत ब्यौरा दिया जाता है जिससे भी अनामिकता कमजोर होती है।

③ सोशल मीडिया ने संवाद का लोकतांत्रीकरण किया है अतः इसका दुरुपयोग उठाकर लोक सेवकों द्वारा कई बार अपनी शिकायतों को सोशल मीडिया की मदद से सार्वजनिक कर दिया जाता है।

तकनीक अपने आप में निर्नैतिक होती है अतः इसका उपयोग-दुरुपयोग मानव पर निर्भर करता है। भारतीय संसदीय प्रणाली में अनामिकता के सिद्धांत को मजबूत बनाने में इसका सहयोग लिया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** A legally enforceable code of ethics for civil servants, which not only prescribes the ethical values they must display in their public life but also provides sanctions for violations of these values, is the need of the hour. Discuss. **(150 words) 10**

लोक सेवकों के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य एक नीतिपरक आचार संहिता, जो न केवल उनके सार्वजनिक जीवन में प्रदर्शित होने वाले नैतिक मूल्यों को निर्धारित करती हो, बल्कि उन मूल्यों के उल्लंघन के लिए दण्ड भी निर्धारित करती हो, वर्तमान समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

नीतिपरक आचार संहिता से तात्पर्य मूल्यों व व्यवहारों के उस समुच्चय से है जो लोगों के सार्वजनिक व्यवहार को निर्देशित/नियंत्रित करते हैं। भारत में लोक सेवकों के लिए केन्द्रीय सेवा आचरण नियमावली व लोक सेवा आचरण नियमावली का प्रावधान किया गया है लेकिन एक कानूनी रूप से बाध्य नीतिपरक आचार संहिता का अभाव है।

कानूनी रूप से बाध्य नीतिपरक आचार संहिता की जरूरत क्यों?

(1) लोक सेवकों के आचरण में नैतिक मूल्यों का समावेशन करने के लिए।

(2) लोक सेवाओं के मूल्य जैसे सहानुभूति, करुणा, ईमानदारी आदि को लोक सेवकों के जीवन का आवश्यक अंग बनाने के लिए।

(3) लोक सेवाओं में व्याप्त बुराइयों जैसे भ्रष्टाचार, लाल फीताशाही, क्लेप्टोक्रेसी आदि का समाधान

करने के लिए।

④ लोक सेवाओं को जन कल्याण की ओर उन्मुख करने के लिए।

⑤ देश के विकास को उचित दिशा प्रदान करने के लिए नीतिपरक आचार संहिता वर्तमान की आवश्यकता है।

इस आचार संहिता का पालन स्वैच्छिक होने की बजाए इसके उल्लंघन पर दंड का प्रावधान जरूरी है क्योंकि दंड निवारक का कार्य करेगा अन्यथा ऐसी आचार संहिता 'नागरिक अधिकार पत्र' की तरह एक सुहावना सपना ही साबित होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Examine the issue of foreign aid in global politics from an ethical perspective. **(150 words) 10**

वैश्विक राजनीति में विदेशी सहायता के मुद्दे का नैतिक दृष्टिकोण से परीक्षण कीजिए।

विदेशी सहायता से तात्पर्य ऐसी मदद से है जिसमे अनुदान, हस्तांतरण या मानवीय मदद को शामिल किया जाता हो। इसमें आपदा के दौरान की गई मानवीय सहायता या संकट से उबारने के लिए दिया गया अनुदान आदि शामिल होता है।

उदा. → हाल ही में अफगानिस्तान में आए भूकंप के दौरान भारत द्वारा अफगानिस्तान में भूकंप प्रभावित लोगों को प्रदान की गई खाद्य सुरक्षा।

वर्तमान में विदेशी सहायता की आवश्यकता क्यों?

1. विभिन्न राष्ट्रों को आर्थिक संकटो से निकालने के लिए। उदा. – श्रीलंका की मदद
2. राष्ट्रों में व्याप्त नृजातीय संघर्ष आदि के समाधान के लिए।
3. अविकसित/गरीबी राष्ट्रों में व्याप्त भुखमरी, गरीबी जैसी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए।
4. प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी के दौरान 'ह्युमैनिटेरियन सहायता' प्रदान करने के लिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

✻ विदेशी सहायता में व्याप्त मुद्दे।

① दाता देश द्वारा ग्राही देश को निर्भर बनाने का मुद्दा → चीन पर इस तरह के आरोप लगते हैं।

② दी गई आर्थिक मदद की प्रभाविता → अफ्रीका व मध्य पूर्व में दी गई सहायता प्रभावी नहीं रही है।

③ सहायता के पीछे छिपे हुए स्वार्थ → शीत युद्ध के दौर में इस प्रकार की सहायता ने 'नव उपनिवेशवाद' को बढ़ावा दिया था।

④ सहायता के नाम पर प्रभावित राष्ट्र के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना → ऐसा शक्तिशाली राष्ट्रों द्वारा किया जाता रहा है।

संकट के दौरान प्रदान की जाने वाली मदद मानवीय दृष्टिकोण से अत्यंत आवश्यक है तथा वैश्विक कल्याण के लिए अनिवार्य भी लेकिन इसके द्वारा क्षुद्र स्वार्थों की पूर्ति का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

4. (b) There is a need for an effective climate governance structure within the broad framework of corporate governance. Discuss. (150 words) 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के व्यापक ढांचे के भीतर एक प्रभावी क्लाइमेट गवर्नेंस संरचना की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य निजी संगठनों का नैतिकता के आधार पर संचालन किया जाना है। वहीं क्लाइमेट गवर्नेंस से तात्पर्य उस संगठन पर जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाले प्रभावों के शमन हेतु अपनाई गई प्रतिक्रिया को शामिल किया जाता है।

प्रभावी क्लाइमेट गवर्नेंस की आवश्यकता क्यों?

2018 में हुए तलानोआ संवाद में प्रभावी क्लाइमेट गवर्नेंस को बढ़ावा दिया गया।

① उस संगठन पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को कम करना या रोकना।

② संगठन के क्रियाकलापों से जलवायु परिवर्तन पर पड़ने वाले प्रभावों को नियंत्रित करना।

③ संगठन के क्रियाकलापों को इस तरह से निर्देशित करना कि उसका जलवायु पर कम से कम नकारात्मक प्रभाव पड़े।

④ देश के जलवायु परिवर्तन शमन संबंधी लक्ष्यों के अनुरूप संगठन के क्रियाकलापों को निर्धारित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करना।

☆ प्रभावी क्लाइमेट गवर्नेंस संरचना में क्या शामिल किया जाए →

① तलानोआ संवाद (2018) में तय किए गए लक्ष्य व इस संबंध में 'वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम' के दिशा निर्देशों का पालन किया जाए।

② जलवायु परिवर्तन के वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप संगठन के क्रियाकलापों का निर्धारण।

③ संगठन के 'कार्बन फुट प्रिंट' की उचित निगरानी करना।

इस प्रकार प्रभावी क्लाइमेट गवर्नेंस की मदद से जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में मदद मिल सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) "A well-developed Emotional intelligence is not only an instrumental tool in accomplishing goals, but has a dark side as a weapon for manipulating others by robbing them of their capacity to reason." Analyse. **(150 words) 10**

"एक सुविकसित भावनात्मक बुद्धिमत्ता न केवल लक्ष्यों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, अपितु इसका एक नकारात्मक पक्ष यह है कि यह दूसरों की तर्क करने की क्षमता को समाप्त करके उन्हें धोखा देने के लिए एक हथियार भी है।" विश्लेषण कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य उस बुद्धि से है जिसके तहत व्यक्ति स्वयं की भावनाओं को समझकर उसके उचित प्रबंधन/नियमन को तय करने के साथ-साथ दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को भी बेहतर ढंग से समझकर उनका उचित नियमन कर सकता है।

सुविकसित भावनात्मक बुद्धिमत्ता के अंग

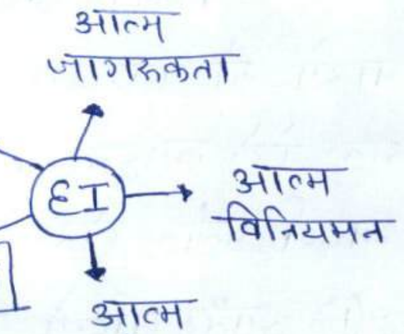


① आत्म जागरूकता – इसमें व्यक्ति स्वयं की भावनाओं की उचित पहचान कर पाता है। ~~साथ ही~~

② आत्म विनियमन → इसमें परिस्थिति के अनुसार भावनाओं का उचित प्रबंधन किया जाता है।

③ आत्म प्रेरणा → इसमें व्यक्ति परिस्थित के अनुसार उचित निर्णय लेने के लिए प्रेरित होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) सहानुभूति → इसमें व्यक्ति अन्य व्यक्ति की भावनाओं को समझकर उसके साथ परिस्थित के अनुसार व्यवहार कर पाता है।

चूंकि भावनात्मक बुद्धिमत्ता से व्यक्ति में नेतृत्वकर्ता के गुणों का समावेशन होता है तथा वह परिस्थिति के अनुसार सर्वश्रेष्ठ निर्णय ले पाता है अतः लक्ष्य हासिल करने में सुगमता प्राप्त होती है।

☆ सुविकसित ढंग से दूसरों की तर्क क्षमता की समाप्ति क्योंकि → क्योंकि इससे व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को समझकर उचित विनियमन कर पाता है। अतः ऐसे व्यक्ति का प्रत्येक निर्णय दूसरे व्यक्ति को आदर्श प्रतीत होता है →

उदा. - (1) आतंकवादियों द्वारा लोगों की ब्रेन वॉशिंग

(2) तानाशाहों जैसे हिटलर द्वारा जनता को स्वयं के विचारों के अनुसार प्रेरित करना।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता लक्ष्य प्राप्ति के साथ-साथ धोखा देने का हथियार भी हो सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** The opportunities and threats created by emerging technologies like Artificial Intelligence (AI) require leaders across business, government and civil society to understand the importance of values and ethics in technological development. Elucidate. **(150 words) 10**

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न अवसरों और खतरों ने यह आवश्यक बना दिया है कि व्यवसाय, सरकार और नागरिक समाज के अग्रणी व्यक्ति तकनीकी विकास में मूल्यों एवं नैतिकता के महत्व को समझें। स्पष्ट कीजिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तात्पर्य मशीन द्वारा मानव मस्तिष्क की कार्यपद्धति के अनुसार संचालित होकर कार्य करना है अर्थात् मशीन द्वारा मानव बुद्धि की तरह कार्य करना।

☆ इन उभरती तकनीकों से अवसर व खतरे →

(A) अवसर → ① मानवीय कल्याण के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

② कृमि व कठिन कार्यों में मानव श्रम को प्रतिस्थापित किया जा सकता है।

③ मानवीय जीवन को सुगम बनाया जा सकता है आदि

(B) खतरे → ① मानव को प्रतिस्थापित करने के कारण बेरोजगारी बढ़ने की संभावना है।

② इससे मानवीय महत्व में कमी आएगी।

③ 'स्टारवार्स' जैसी फिल्मों में दिखाए गए खतरे के साकार होने की संभावना बढ़ेगी।

अंत: इस तकनीकी विकास में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूल्यों व नैतिकता का समावेशन आवश्यक हो जाता है। इसमें विभिन्न वर्गों की भूमिका →

(1) व्यवसाय की भूमिका → (i) इस प्रकार की तकनीकी डिजाइन को बढ़ावा दिया जाए जो मानवीय कल्याण को बढ़ावा दे।

(ii) तकनीकी विकास में नैतिकता का समावेशन करने का प्रयास हो।

(2) सरकार की भूमिका →

(i) विभिन्न समितियों के माध्यम से तकनीकी विकास के नकारात्मक प्रभावों को सामने लाकर इन्हें दूर करने का प्रयास किया जाए।

(ii) इस तकनीकी विकास के अनुप्रयोग पर उचित विनियमन स्थापित किया जाए।

(iii) व्यवसायों को स्पष्ट दिशानिर्देश दिए जाए।

(3) नागरिक समाज की भूमिका

(i) उचित फीडबैक प्रदान किया जाए।

(ii) जागरूक समाज की भूमिका का निर्वहन करते हुए नैतिकता को बढ़ावा दिया जाए।

इस प्रकार तकनीकी विकास को मानवीय कल्याण का वाहक बनाया जा सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

**(a)** "All persons ought to endeavour to follow what is right, and not what is established." — Aristotle **(150 words) 10**

"सभी व्यक्तियों को जो सही है उसका पालन करने का प्रयास करना चाहिए, न कि जो स्थापित है उसका पालन करना चाहिए।" - अरस्तू

① जो सही है उसका पालन करने से समाज में शांति व भाइचारे की स्थापना होगी।

② इससे 'हितों में टकराहट' की संभावना में कमी आएगी फलतः वैमनस्य में कमी होगी।

③ 'अंतर्आत्मा का संकट' उत्पन्न नही होगा।

④ 'सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन में मदद मिलेगी।

⑤ 'विधि के शासन की स्थापना के साथ-साथ समाज में सुव्यवस्था स्थापित होगी।

यह पर्याप्त संभावना होती है कि जो स्थापित है वही सही हो जैसे →

① मध्यकाल में भारतीय समाज में सती प्रथा एक स्थापित सत्य था लेकिन मानवाधिकारों के पैमाने पर सही नही ठहरता।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सही का पालन करना 'विधि की सम्यक' प्रक्रिया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

के पालन को बढ़ावा देती है न कि विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन।

☆ वर्तमान प्रासंगिकता ]

① समाज में स्थापित सामाजिक बुराइयों जैसे घरेलू हिंसा, पर्दा प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या आदि का उन्मूलन संभव हो।

② समाज के कल्याण खासकर गरीबी निवारण, भुखमरी निवारण आदि को संभव बनाता है।

लेकिन सही का निर्धारण करने के लिए समाज में नैतिक मूल्यों व नैतिक आदर्शों की स्थापना आवश्यक है अन्यथा सभी व्यक्तियों के लिए सही की परिभाषा भिन्न भिन्न भी हो सकती है जो अंततः समाज में कलह को बढ़ायेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "It is compassion, the most gracious of virtues, which moves the world."
— Tiruvalluvar, Kural (150 words) 10

"करुणा, जो सबसे उदार सद्गुण है, विश्व को संचालित करती है।" - तिरुवल्लुवर, कुरल

करुणा को दया से श्रेष्ठ माना जाता है क्योंकि करुणा में पीड़ित व्यक्ति की पीड़ा को समझते हुए उसके उचित निदान करने की समस्त प्रक्रिया को शामिल किया जाता है।

करुणा उदार सद्गुण है- कैसे?

(1) यह समाज में मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देती है तथा लोगों में सेवा-भाव विकसित करती है।

(2) इसमें पीड़ित व्यक्तियों के पीड़ा निदान का भाव शामिल होने के कारण यह सामाजिक बुराइयों जैसे गरीबी, भुखमरी आदि के उन्मूलन को बढ़ावा देती है।

(3) यह समस्त प्रकृति के प्रति 'उदार' बनाती है।

(4) यह विभिन्न देशों के मध्य स्वार्थों की बजाए मानवता पर आधारित संबंधो को बढ़ावा देती है।

वर्तमान में प्रासंगिकता

(1) विभिन्न देशों को जो युद्ध की आग में जलने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से रोकती है।

(2) मानवता व कल्याण को बढ़ावा देती है।

(3) इसी मानवीय गुण के कारण 'मदर टेरेसा' जैसी विभूतियों ने अपना जीवन मानव कल्याण को समर्पित कर दिया।

(4) संवेदनशीलता को बढ़ावा देती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि करुणा उदार गुण होने के साथ साथ विभिन्न देशों के मध्य आवश्यकता आधारित संबंधों की बजाए मानवता आधारित संबंधों को बढ़ावा देती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." — Mahatma Gandhi (150 words) 10

"मैं लोकतंत्र को एक ऐसी व्यवस्था के रूप में समझता हूँ जो कमजोर को मजबूत के समान अवसर प्रदान करती है।" - महात्मा गांधी

राजनीतिक मामलों में महात्मा गाँधी 'अराजकतावादी' थे अर्थात् इन्होंने ~~राज्यविहिन~~ राज्यविहीन समाज की स्थापना को बढ़ावा दिया। इन्होंने लोकतंत्र को उस राज्यविहिन स्थिति तक पहुँचने की कड़ी के रूप में स्वीकार किया।

① गाँधी जी लोकतंत्र में सभी की समान भागीदारी के पक्षधर थे।

② उन्होंने आर्थिक सिद्धांतों के तहत 'ट्रस्टीशिप' को बढ़ावा देकर संसाधनों के समान वितरण को बढ़ावा दिया।

③ सामाजिक सिद्धांतों के तहत 'दलितोद्धार' को बढ़ावा देकर सुभेद्य समूह के विकास को बढ़ावा दिया।

④ इसी प्रकार 'समता' के अधिकार को बढ़ावा देने के क्रम में उन्होंने लोकतंत्र में सभी को समान अवसर प्रदान करने की वकालत की।

वर्तमान प्रासंगिकता

① यह भारतीय संविधान में शामिल 'अवसर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की समानता के मूल अधिकार के अनुरूप है।

(2) यह 'समावेशी लोकतंत्र' के सिद्धांत को बढ़ावा देता है।

(3) इससे 'सुभेद्य वर्गों' के विकास को बढ़ावा मिलता है।

(4) संसाधनों के समान वितरण को बढ़ावा मिलता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि गांधी जी का उपरोक्त कथन 'सुशासन' की अवधारणा को साकार करने का एक आधारभूत स्तंभ है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

## SECTION – B

**In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):**

**7.** You come across a news report of a state 'X', which has a considerable number of school going children suffering from malnourishment. To overcome this, the state recently rolled out a policy to introduce eggs in mid-day meals in schools. However, some parents, teachers and a few religious groups have protested against the move. The report states that the Minister of Education of state 'X' has assured the public of a reversal in the policy. You are aware that this may be because elections are approaching in the state and the party in power may not want to antagonise a particular religious group, which is its key supporter.

In light of this, answer the following:

**(a)** Highlight the stakeholders in the given case study.

**(b)** Examine the options available in the given situation.

**(c)** According to you, what is the best course of action and why?

**(20)**

आपको एक राज्य 'X' के बारे में एक न्यूज रिपोर्ट प्राप्त होती है, जिसमें काफी संख्या में स्कूल जाने वाले बच्चे कुपोषण से पीड़ित हैं। इस पर नियंत्रण प्राप्त करने हेतु, उक्त राज्य ने हाल ही में स्कूलों में मध्याह्न भोजन में अंडे को शामिल करने की एक नीति लागू की है। हालांकि, कुछ माता-पिता व शिक्षकों और कुछ धार्मिक समूहों ने इस कदम का विरोध किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य 'X' के शिक्षा मंत्री ने जनता को नीति में बदलाव का आश्वासन दिया है। आप जानते हैं कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि राज्य में चुनाव नजदीक आ रहे हैं और सत्तारूढ़ दल एक विशेष धार्मिक समूह जोकि पार्टी का प्रमुख समर्थक है, उसका वो विरोधी नहीं बनना चाहती है।

इसके आलोक में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिए।

**(b)** दी गई स्थिति में उपलब्ध विकल्पों का परीक्षण कीजिए।

**(c)** आपके अनुसार, सबसे उपयुक्त कार्रवाई क्या है और क्यों?

→ उपरोक्त प्रसंग में राज्य x द्वारा कुपोषण की समस्या के निदान हेतु मध्याह्न भोजन में प्रोटीन के स्रोत अंडे को शामिल किए जाने पर वहाँ विरोध शुरू हो गया है।

(a) शामिल हितधारक

① स्कूल जाने वाले बच्चे → जिनके मध्याह्न भोजन में प्रोटीन अंश के रूप में अंडो को शामिल किया गया है।

② बच्चों के अभिभावक → जो कि धार्मिक भावना आहत होने के डर से विरोध कर रहे हैं।

③ शिक्षक → जिनमें कुछ नए परिवर्तन का विरोध कर रहे हैं।

④ धार्मिक समूह → धार्मिक भावना आहत होने से भोजन में अंडे शामिल करने का विरोध

⑤ राज्य सरकार व शिक्षा मंत्री → जिन्होंने नीति में बदलाव का आश्वासन दिया है।

(B) उपलब्ध विकल्प

① विरोध करने वालों की माँग मानते हुए नीति में परिवर्तन करना →

(पक्ष) → (i) इससे राज्य में शांति व्यवस्था की स्थापना करने में मदद मिलेगी।

(ii) सत्तारूढ़ दल विशेषकर धार्मिक समूह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की नाराजगी से बच जायेगा।

(विपक्ष) - ① इससे बच्चों में व्याप्त कुपोषण की समस्या के निदान के प्रयासों को झटका लगेगा।

② सरकार की नीति-निर्माण पर प्रश्न चिन्ह लगेगा।

② विरोध को दरकिनार करते हुए नई नीति पर कायम रहना →

(पक्ष) → (i) इससे बच्चों के कुपोषण की समस्या का समाधान करने में सफलता प्राप्त होने की संभावना है।

(ii) इससे जनता में सरकार की नीतिगत स्पष्टता व कठोर निर्णय लेने की सामर्थ्य का संदेश जायेगा।

(विपक्ष) - (i) लोगों की धार्मिक भावना आहत होने की संभावना है।

(ii) विरोध प्रदर्शन भड़कने से 'लॉ & ऑर्डर' की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

(b) नीति में आंशिक संशोधन करते हुए अंडो के सेवन को वैकल्पिक बना दिया जाए तथा अंडे न खाने वालों के लिए प्रोटीन के अन्य स्रोत जैसे सोयाबीन, फल आदि का विकल्प दिया जाए। →

(पक्ष) – (i) इससे कुपोषण की समस्या का उचित निदान संभव होगा।

(ii) विरोध प्रदर्शन शांत हो सकेगा।

(c) मेरे अनुसार सबसे उपयुक्त कार्यवाही - तृतीय विकल्प होगा ~~क~~ इसके लिए →

(1) चिकित्सकों व विशेषज्ञों की समिति का गठन कर कुपोषण की समस्या के वैकल्पिक समाधान ~~ढूं~~ ढूंढने की कोशिश की जाए।

(2) लोगों के मध्य जागरूकता का प्रसार कर उन्हें कुपोषण के संभावित गंभीर परिणामों के प्रति ~~आह~~ सूचित किया जाए।

(3) प्रभावशाली लोगों, शिक्षकों आदि की मदद से नीति में किए गए संशोधन के प्रति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगों में सकारात्मक अभिवृत्ति की स्थापना का प्रयास किया जाए।

(4) इस विकल्प से सभी वर्गों की समस्याओं का समाधान संभव है जैसे→ कुपोषण का निदान किया जा सकेगा, अंडे का सेवन वैकल्पिक बना देने से धार्मिक भावनाएं भी आहत नहीं होंगी।

(5) इससे लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

इस प्रकार तीसरा व अंतिम विकल्प प्रत्येक हितधारक के मुद्दों का समाधान करते हुए राज्य में कानून व व्यवस्था की स्थापना में मददगार साबित होगा।

8. Capital punishment, or "death penalty," is an institutionalized practice designed to result in deliberately executing persons in response to actual or supposed misconduct and following an authorized, rule-governed process to conclude that the person is responsible for violating norms that warrant execution. Punitive executions have historically been imposed by diverse kinds of authorities, for an expansive range of conduct, political or religious beliefs and practices, for a status beyond one's control, or without employing any significant due process procedures. Punitive executions also have been and continue to be carried out more informally, such as by terrorist groups, urban gangs, and mobs. For centuries in Europe and America, discussions have focused on capital punishment as an institutionalized, rule-governed practice of modern states and legal systems governing serious criminal conduct and procedures. In light of the above debate of capital punishment, answer the following questions:

**(a)** What are the arguments in favour of and against having capital punishment in the criminal justice system?

**(b)** Do you think capital punishment has a place in modern civilised society? Examine in the context of moral implications involved in awarding it.

**(20)**

फांसी या 'मृत्युदंड', एक संस्थागत प्रक्रिया है, जिसे वास्तविक या कथित कदाचार की प्रतिक्रिया में जानबूझकर व्यक्तियों को प्राणदंड देने हेतु डिजाइन किया गया है और इसके लिए एक प्राधिकृत, नियम-आधारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है ताकि इस नतीजे पर पहुँचा जा सके कि व्यक्ति उन मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार है जो प्राणदंड का प्रावधान करते हैं। मृत्युदंड, ऐतिहासिक रूप से विभिन्न प्रकार के अधिकारियों द्वारा आचरण, राजनीतिक या धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला हेतु, किसी के नियंत्रण से परे स्थिति के लिए या किसी भी महत्वपूर्ण स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना भी दिया जाता रहा है। मृत्युदंड का विभिन्न समूहों द्वारा अधिक अनौपचारिक रूप से पालन किया जाता है और वर्तमान में भी इसे जारी रखा गया है, जैसे कि आतंकवादी समूहों, शहरी गिरोहों और भीड़ द्वारा। यूरोप और अमेरिका में सदियों से जारी चर्चाओं ने आधुनिक राज्यों के संस्थागत व नियम-आधारित प्रक्रिया तथा गंभीर आपराधिक आचरण और कार्रवाईयों को नियंत्रित करने वाली कानूनी व्यवस्था के रूप में मृत्युदंड पर ध्यान केंद्रित किया है। मृत्युदंड के संदर्भ में, उपर्युक्त चर्चा के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपराधिक न्याय प्रणाली में मृत्युदंड के पक्ष और विपक्ष में तर्क क्या हैं?

(b) क्या आपको लगता है कि आधुनिक सभ्य समाज में मृत्युदंड का कोई स्थान है? इसे दिए जाने में शामिल नैतिक निहितार्थों के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ उपरोक्त परिच्छेद में आधुनिक राष्ट्र-राज्य प्रणाली में मृत्युदंड की अनिवार्यता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा किया गया है।

(a) आपराधिक न्याय प्रणाली में, पक्ष व विपक्ष में तर्क → मृत्युदंड के

(1) पक्ष में तर्क →

(i) मृत्युदंड निवारक के रूप में कार्य करता है इससे गंभीर अपराधों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

(ii) यह अपराध के अनुसार दंडित करने के अनुकूल है यर्थात् ~~अगर~~ जिसने जिस स्तर का अपराध किया है उसे उसी के अनुपात में सजा मिलनी चाहिए।

(iii) आँख के बदले आँख के सिद्धांत के अनुकूल अर्थात् अगर किसी अपराध ने किसी निर्दोष की जान ली है तो बदले में उसे भी जीने का कोई अधिकार नहीं है।

(iv) यह अपराधियों पर खर्च की जाने वाली

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनावश्यक राशि को कम करने में सहायक होता है क्योंकि इससे उनके खाने-पीने, सुरक्षा आदि पर खर्च में कमी आती है।

② विपक्ष में तर्क

(i) मृत्युदंड भूल सुधार का मौका नही देता → चूंकि मानवीय न्याय निर्णयन में त्रुटि संभव है अतः निर्दोष को मृत्युदंड दे दिए जाने पर उसे वापस सुधारा नही जा सकता।

(ii) यह आधुनिक सुधारवादी आपराधिक न्याय प्रणाली के विपरीत है जिसमें अपराधियों को सुधारने का प्रयास किया जाता है।

(iii) अगर मनुष्य मुर्दे को जीवित नही कर सकता है तो उसे जीवित को मारने का भी अधिकार नही है।

(iv) यह जीवन जीने के मूल अधिकार की अवहेलना करता है।

(v) इसका सभ्य समाज व बच्चों की मानसिकता पर नकारात्मक असर पड़ता

है खासकर मृत्युदंड के ऐसे प्रकार जिसमें अपराधी को सार्वजनिक स्थल पर पत्थरों से पीटकर मारा जाता है।

(VI) कोई भी तथ्य या आँकड़े मृत्युदंड को निवारक के रूप में स्थापित नहीं करते।

(B) आधुनिक सभ्य समाज में मृत्युदंड :- हाँ या नहीं?

↳ माननीय सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार दुर्लभतम से दुर्लभ केस में मृत्युदंड का प्रावधान होना चाहिए बाकि मामलों में इसकी उपस्थिति को न्यूनतम कर दिया जाना चाहिए।

~~☆ मृत्युदंड दिए जाने में नैतिक विद्वता~~

चूँकि विश्व के अधिकांश बड़े देश जैसे भारत, चीन अमेरिका, पाकिस्तान में मृत्युदंड अभी भी जारी है। साथ ही एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार 2019 की तुलना में 2020 में मृत्युदंड के मामलों में लगभग 5% की कमी आयी है अतः इसे निवारक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के रूप में केवल दुर्लभतम केसों तक ही ~~###~~। सीमित रखा जाना चाहिए।

9. An Indian company is active in the telecom sector and is the majority owner of a telecom company based in other geographies across the world. At one of its European headquarters, there emerged whistleblowing allegations that a local executive was bribing local government officials in order to obtain telecom cabling and construction contracts from the local government. The kickbacks were allegedly paid through a third-party consultant. More specifically, there were allegations that the executive, the third party, and a government official had some sort of business interest in common, possibly shareholdings in a limited company or the joint ownership of an undisclosed asset. The company is thought to be particularly close to the ruling dispensation in India and the news has now raised pressure to put its business operations in India under scanner as well. In this context, answer the following questions:

**(a)** What are the ethical challenges in the given case?

**(b)** Identify the different stakeholders and their interests.

**(c)** As the CEO of the firm, how would you respond to the given situation? **(20)**

एक भारतीय कंपनी दूरसंचार क्षेत्र में सक्रिय है और विश्व भर के अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित एक दूरसंचार कंपनी के अधिकांश शेयरों की स्वामी है। इसके यूरोपीय मुख्यालयों में से एक में, यह आरोप लगाया गया है कि एक स्थानीय कार्यकारी अधिकारी, स्थानीय सरकार से दूरसंचार केबल बिछाने और निर्माण अनुबंध प्राप्त करने के लिए स्थानीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दे रहा था। कथित तौर पर एक तीसरे पक्ष के सलाहकार के माध्यम से घूस दी गई थी। विशेष रूप से, ऐसे आरोप लगाए गए हैं कि कार्यकारी अधिकारी, तीसरे पक्ष और एक सरकारी अधिकारी के बीच किसी प्रकार का साझा व्यावसायिक हित, संभवतः एक सीमित कंपनी में शेयरधारिता या किसी अज्ञात संपत्ति का संयुक्त स्वामित्व विद्यमान है। उक्त कंपनी को विशेष रूप से भारत में सत्तारूढ़ व्यवस्था के निकट माना जाता है और इस आरोप ने अब इसके भारत में संचालित व्यापार को भी जांच के दायरे में लाने का दबाव बढ़ा दिया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** दिये गये प्रकरण में शामिल नैतिक चुनौतियां क्या हैं?

**(b)** विभिन्न हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

**(c)** उक्त कंपनी के एक सी.ई.ओ. के रूप में, आप दी गई स्थिति में किस प्रकार प्रत्युत्तर देंगे?

उपरोक्त प्रकरण में भारतीय दूरसंचार ~~की~~ कंपनी की यूरोपीय शाखा के कार्यकारी अधिकारी पर रिश्वत देने का आरोप लगा है। इससे उस कंपनी के भारत में संचालित व्यापार पर भी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाँच का दबाव है।

ⓐ प्रकरण में शामिल नैतिक चुनौतियां

① कंपनी पर अनैतिक व्यवसायिक प्रथाओं के इस्तेमाल का आरोप।

② कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पर कंपनी हित में रिश्वतखोरी की अनैतिक गतिविधि में संलग्नता का आरोप।

③ भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि प्रभावित होने की संभावना।

④ सत्तारूढ़ दल से नजदीकी के चलते निष्पक्ष जांच होने की सीमित संभावना।

Ⓑ विभिन्न हितधारक व उनके हित

① दूरसंचार कंपनी → कंपनी की साख प्रभावित होने की संभावना

② स्थानीय कार्यकारी अधिकारी → केवल बिक्री की स्वीकृति के क्रम में रिश्वत देने का आरोप

③ स्थानीय सरकारी अधिकारी → रिश्वत लेने का आरोप

④ भारत सरकार → देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रभाव व निष्पक्ष जाँच का दबाव

⑤ कंपनी के शेयर होल्डर व उनसे सेवा प्राप्त करने वाले लोग → कंपनी के प्रति विश्वास में कमी की संभावना

⑥ रिश्वत में शामिल तृतीय पक्ष

(c) CEO के रूप में मेरी कार्यवाही

① सर्वप्रथम मैं एक आंतरिक समिति का गठन कर आरोप की सत्यता की जाँचने का प्रयास करूँगा।

② इस समिति को जाँच की स्वायत्तता के साथ-साथ निष्पक्ष जाँच हेतु किसी बाहरी व्यक्ति की सहायता से पूरी जाँच की निगरानी करवाऊँगा।

③ अगर लगाये गए आरोप सही पाये जाते

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हैं तो जिम्मेदार कर्मचारी की जिम्मेदारी तय करते हुए उसके लिए उचित सजा का प्रावधान करूँगा।

(4) कंपनी की साख प्रभावित न हो साथ ही देश की छवि पर भी नकारात्मक असर न पड़े इसके लिए पूरी जाँच व कार्यवाही में पारदर्शिता सुनिश्चित करूँगा।

(5) कार्यवाही को आदर्श के रूप में स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित करूँगा कि ऐसा कृत्य वापस न दोहराया जाए इसके लिए सभी कर्मचारियों के लिए नैतिक आचार संहिता सुनिश्चित की जाएगी।

(6) कंपनी के शेयरधारकों को विश्वास में लेने के लिए यह सुनिश्चित किया जायेगा कि ऐसा कृत्य वापस न दोहराया जाए।

(7) उचित कार्यवाही के माध्यम से कंपनी की सेवा से लाभान्वित होने वाले लोगों

में भरोसा स्थापित करने का प्रयास करूंगा।

इस प्रकार उचित कार्यवाही द्वारा देश की छवि को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाएगा।

**10.** You are the Chairperson of Staff Selection Commission of a state. Recently, an exam for recruitment to the position of sub-inspectors was conducted by the Commission. But a video of some students using hi-tech devices like spy-mics, and placing "solvers" to cheat in the exam by hiding bluetooth devices in wig, has been surfacing on the internet. Also, this is not an isolated incident; many instances of organized cheating scandals have shocked the state in recent years. Students are agitated and demanding cancellation of the exam and there is pressure on you to resign. However, your daughter had also appeared in this exam and is confident of clearing it. There are many other students who had waited for this exam for a long time and are hopeful of clearing it with honest efforts. Whatever decision the Commission takes is bound to affect the career of a large number of candidates who appeared in the exam, including your own daughter.

**(a)** Highlight the ethical issues concerned in the case.

**(b)** Why is cheating in examinations prevalent in many states across India?

**(c)** What measures would you take to make sure that a similar situation does not arise in future? **(20)**

आप एक राज्य के कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हैं। हाल ही में, आयोग द्वारा सब-इंस्पेक्टर के पद पर भर्ती के लिए एक परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन कुछ छात्रों द्वारा स्पाई-माईक्रोफोन जैसे हाई-टेक उपकरणों का उपयोग करने और ब्लूटूथ डिवाइसों को विग में छिपाकर परीक्षा में "सोल्वर्स या फर्जी परीक्षार्थी" बैठाने का एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आ रहा है। साथ ही, यह कोई अकेली घटना नहीं है; हाल के वर्षों में संगठित तरीके से नकलबाजी की घटना के कई उदाहरणों ने राज्य को भयाकुल कर दिया है। छात्र विरोध कर रहे हैं और परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं तथा आपके ऊपर इस्तीफा देने का दबाव है। हालांकि, आपकी बेटी भी इस परीक्षा में शामिल हुई थी और वो इसे पास करने के लिए आश्वस्त है। ऐसे कई अन्य छात्र हैं जिन्होंने लंबे समय से इस परीक्षा का इंतजार किया था और ईमानदार प्रयासों के साथ इसे पास करने की उम्मीद कर रहे हैं। आयोग जो भी निर्णय लेगा, वह आपकी अपनी बेटी सहित बड़ी संख्या में परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के करियर को प्रभावित करेगा।

**(a)** इस प्रकरण से संबंधित नैतिक मुद्दों को रेखांकित कीजिए।

**(b)** भारत भर के कई राज्यों में परीक्षाओं में नकल क्यों जारी है?

**(c)** भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए आप क्या उपाय करेंगे?

कर्मचारी चयन आयोग पर सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के आयोजन में धांधली के आरोप लगे हैं। जिससे अध्यक्ष पर इस्तीफे का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दबाव है।

(a) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

(i) मेहनत बनाम अनैतिक साधनों से सफलता प्राप्त करने की कोशिश।

(ii) तकनीक का दुरुपयोग

(iii) जनता में कर्मचारी चयन आयोग की नकारात्मक छवि

(iv) आयोग द्वारा नकलबाजी पर रोक लगा पाने में असफलता

(v) सफलता के दबाव से अनैतिक साधन अपनाने को बढ़ावा।

(b) ~~परिक्षा~~ परीक्षाओं में नकल जारी रहने के कारण:-

(i) अभ्यर्थियों पर सफलता का असीमित बोझ → इससे वे किसी भी शर्त पर सफलता प्राप्त करने की कोशिश करते हैं।

(ii) तकनीक का दुरुपयोग → नए-नए तरीकों को ट्रैक कर पाना कठिन कार्य।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) प्रशासन की अक्षमता → यही कारण है कि वह नकल गिरोहों का पर्दाफाश नहीं कर पा रहा है।

(iv) प्रशासकों व राजनेताओं का नकल गिरोहों से गठजोड़ → इससे इस नेक्सस को तोड़ पाना असंभव हो गया है। क्योंकि इससे तोड़ने वाले स्वयं इसमें शामिल हैं।

(v) जागरूकों लोगों की उदासीनता → इनके द्वारा इसके विरुद्ध प्रभावी मांग नहीं उठाई जा रही है।

(vi) प्रभावी कानून व सख्त सजा के प्रावधानों का अभाव।

(vii) लोगों के मध्य इस बुराई की स्वीकार्यता, यही कारण है कि इसे लगातार बढ़ावा मिल रहा है।

© भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने का उपाय →

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

① चयन आयोग के अध्यक्ष के रूप में मैं सर्वप्रथम एक जाँच समिति का गठन करूँगा जो परीक्षा में धाँधली संबंधी सभी आरोपों की जाँच करेगी।

② जाँच के पश्चात सामने आने वाली अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

③ अभ्यर्थियों का भविष्य बेकार न हो इसके लिए (अगर परीक्षा रद्द करनी पड़ गई हो तो) परीक्षा को दोबारा समय से आयोजित करवाया जायेगा →

(i) इसमें तकनीक का इस्तेमाल करते हुए जैमर आदि का उपयोग किया जायेगा।

(ii) समस्त प्रक्रिया में ईमानदार व जिम्मेदार लोगों को शामिल किया जायेगा।

④ सरकार से अनुरोध करूँगा की नकल में शामिल लोगों के लिए कठोर कानून का निर्माण किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) ~~शामिल लोगों~~ दोषी लोगों को आयोग की सभी परीक्षाओं से बैठने से वंचित करने की कार्यवाही करेगा।

(6) परीक्षा का समय पर व सुनियोजित ढंग से आयोजन करवाऊंगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**11.** Sunil has been posted as a DM in a hilly district which is vulnerable to several natural disasters. The district is known for a pilgrimage site and is frequently visited by tourists from all over India. The major occupation of locals therefore lies in the hospitality business. Unfortunately, after a few days of his joining, the district faced a major earthquake. It has led to high casualties and damages to the essential infrastructure such as roads and bridges. Both locals and tourists are trapped at different routes and locations. An international convoy of dignitaries from a neighboring country which has come to pay their obeisance at the pilgrimage site, is also trapped due to the disaster. Because of this, Sunil has to divert most of the available resources in the rescue operation of the foreign dignitaries. People are emotionally distressed due to the disaster, and delayed response from authorities to their needs has led to a law-and-order situation in the district. People from other states whose families are trapped and need immediate assistance are also getting restless and flooding the emergency helplines with complaints and requests.

**(a)** Discuss the issues being faced by Sunil in the given scenario.

**(b)** Mention a course of action that Sunil must take to maintain law-and-order as well as to expediate rescue operations of all concerned.

**(20)**

सुनील को अनेक प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुभेद्य एक पहाड़ी जिले में डी.एम. के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह जिला एक तीर्थ स्थल के लिए प्रसिद्ध है और अक्सर यहां पूरे भारत के पर्यटकों द्वारा यात्रा की जाती है। इसलिए, स्थानीय लोगों का प्रमुख कारोबार आतिथ्य व्यवसाय से संबंधित है। दुर्भाग्य से, उसके पदस्थापित होने के कुछ दिनों के बाद, जिले को एक बड़े भूकंप का सामना करना पड़ा। इससे अनेक लोगों की मृत्यु तथा सड़कों और पुलों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हुई है। स्थानीय लोग और पर्यटक दोनों अलग-अलग मार्गों और स्थानों पर फंसे हुए हैं। तीर्थस्थल पर आए पड़ोसी देश के गणमान्य व्यक्तियों का एक अंतर्राष्ट्रीय काफिला भी आपदा के कारण फंस गया है। इस वजह से सुनील को अधिकांश उपलब्ध संसाधनों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के बचाव अभियान में लगाना है। आपदा के कारण लोग भावनात्मक रूप से व्यथित हैं और इनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अधिकारियों की विलंबित प्रतिक्रिया ने जिले में कानून-व्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न कर दी है। अन्य राज्यों के लोग जिनके परिवार फंस गए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है, वे भी व्याकुल हो रहे हैं तथा आपातकालीन हेल्पलाइन पर शिकायतों और अनुरोधों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हो गई है।

**(a)** दिए गए परिदृश्य में सुनील द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

**(b)** कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सभी संबंधित लोगों के बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए सुनील द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) सुनील के समक्ष मुद्दे

(1) इस आपदा सुबेद्य जिले में कार्य करने के पर्याप्त अनुभव का न होना।

(2) सीमित संसाधनों के उचित उपयोग को तय करने की समस्या।

(3) कार्यवाही का क्रम व लोगों की भागीदारी कैसे तय की जाए।

(4) विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा व स्थानीय लोगों की सुरक्षा में उचित तालमेल बैठाना।

(8)

(B) उपयुक्त कार्यवाही ↓

(1) जिला आपदा प्रबंधन समिति की आपात बैठक बुलाई जाए।

(2) जिले में पहले से कार्यरत लोगों की सहायता से उपयुक्त कार्यवाही का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्रम तय किया जाए।

(3) SDRF व NDRF से तत्काल मदद माँगी जाए।

(4) भू स्थानिक प्रौद्योगिकीयों के इस्तेमाल से प्रभावित क्षेत्र की मैपिंग की जाए।

(5) आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाए ताकि आपदा में फँसे लोगों के परिजनों तक पर्याप्त संचार स्थापित किया जा सके।

(6) सर्वाधिक सुभेद्य व सर्वाधिक प्रभावित वर्ग तक तत्काल मदद पहुँचायी जाए।

(7) अस्पताल व राहत अभियान केन्द्रों को अलर्ट कर दिया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**12.** You are the Superintendent of Police (SP) in a district. One of your subordinates informs you that a girl has reached out to him and complained about a potential death threat to her and her boyfriend who belongs to another caste. Both the families are averse to their union. She has also informed that the local police station is neither filing any complaint nor giving her any assurance of protection. The girl belongs to the dominant caste of the region and her father is a prominent local leader of the party which is in power in the state. On further enquiry, you come to know that both the girl and her boyfriend are adults. They have moved out of the house and have started living together. This has further angered both the families and they are accusing each other of abduction. In the given scenario, answer the following questions:

**(a)** Bring out the ethical dilemma faced by the you.

**(b)** What would be a suitable course of action to resolve the issue?

**(c)** At times, such instances lead to violence and may end up in honour killings. Discuss the reasons behind their social acceptance in parts of India despite the legal sanction against them. **(20)**

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के पद पर तैनात हैं। आपके अधीनस्थों में से एक ने आपको सूचित किया है कि एक लड़की ने उसके पास संपर्क करते हुए उसे और उसके प्रेमी, जो दूसरी जाति से संबंधित है, को जान से मारने की धमकी के बारे में शिकायत की है। दोनों परिवार उनके साथ रहने के खिलाफ हैं। उसने यह भी बताया है कि स्थानीय थाना न तो कोई शिकायत दर्ज कर रहा है और न ही उसे सुरक्षा का कोई आश्वासन दे रहा है। वह लड़की उस क्षेत्र की प्रभावशाली जाति से संबंधित है और उसके पिता सत्तारूढ़ दल के एक प्रमुख स्थानीय नेता हैं। आगे की पूछताछ में, आपको पता चला है कि लड़की और उसका प्रेमी दोनों वयस्क हैं। वे घर से बाहर चले गए हैं और साथ रहने लगे हैं। इससे दोनों परिवारों में और अधिक नाराजगी उत्पन्न हो गई है और वे एक-दूसरे पर अपहरण का आरोप लगा रहे हैं। दिये गये परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** आपके द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा को स्पष्ट कीजिए।

**(b)** इस समस्या के समाधान हेतु कार्रवाई का एक उपयुक्त तरीका क्या होगा?

**(c)** कभी-कभी, ऐसे उदाहरण हिंसा का कारण बनते हैं और ऑनर किलिंग में परिणित हो सकते हैं। इसके ख़िलाफ़ कानूनी प्रतिबंध होने के बावजूद, भारत के कुछ हिस्सों में इसकी सामाजिक स्वीकृति के पीछे उत्तरदायी कारणों पर चर्चा कीजिए।

उपरोक्त प्रसंग अंतर्जातीय विवाह के मामले से संबंधित है जिसमें दोनों पक्षों के परिवार की सहमति शामिल नही है। दोनों परिवारों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वारा अपहरण का आरोप लगाया गया है।)

(a) मेरे समक्ष नैतिक दुविधा

(i) ~~बच्चों~~ दोनों वयस्कों का गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार बनाम परिवारों की अस्वीकृति

(ii) व्यस्कों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

(iii) स्थानीय नेता के कारण राजनीतिक दबाव की संभावना

(iv) जातिगत वैमनस्य बढ़ने की संभावना

(v) ऑनर किलिंग जैसी स्थिति से बचने का प्रयास करना।

(vi) आपसी सहमति बनाम पारिवारिक सहमति

(vii) व्यक्तिगत स्वतंत्रता बनाम जातिगत पूर्वाग्रह

(B) समस्या समाधान हेतु कार्यवाही

(i) सर्वप्रथम यह सुनिश्चित करूंगा की ये पूरा प्रकरण सत्य है या नहीं।

(ii) सत्य पाये जाने पर सर्वप्रथम दोनों प्रेमीयों की सुरक्षा की व्यवस्था करने का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आदेश दूंगा।

(iii) समाज के प्रभावशाली लोगों की मदद से दोनों परिवारों में आपसी समझ स्थापित करने का प्रयास करूंगा।

(iv) दोनों परिवारों से जातिगत पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर आमने-सामने बैठकर मुद्दे को हल करवाने का प्रयास करूंगा।

(v) अगर फिर भी दोनों परिवार नही मानते है तो कानून के मुताबिक उनके विरुद्ध उचित कदम उठाऊंगा।

(c) समाज में ऑनर ~~की~~ किलिंग की स्वीकार्यता के कारण →

(i) पितृसत्तात्मक मानसिकता → अधिकांश मामलों में लड़की के घरवालों द्वारा इसे परिवार की साख पर धब्बा माना जाता है। क्योंकि यह मानसिकता स्त्री अधिकारों का दमन करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) जातिगत पूर्वाग्रहों से ग्रस्त होना।
उच्च जाति द्वारा निम्न जाति के लोगों को तुच्छ समझना।

(3) समाज के लोगों का सामंतवादी मानसिकता से ग्रसित होना।

(4) समाज में महिला अधिकारों का सीमित होना।

(5) लोगों के मध्य 'साक्षरता' के प्रसार का अभाव।

(6) अधिकारों व कानूनों को लेकर जागरूकता का अभाव

(7) आधुनिकता के बदले जड़तावादी सोच को वरीयता देना।

इस प्रकार स्पष्ट है कि लोगों की संकुचित सोच व पूर्वाग्रहों के कारण ऑनर किलिंग के अभी भी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कई मामले सामने आते हैं जो किसी भी सभ्य समाज के लिए धब्बे का कार्य करते हैं। अतः लोगों की सोच परिवर्तन कर इनमें कमी लाने की आवश्यकता है।